Q:- Discuss the Nature of language Development ?
Discuss the Process of language Development ?

Ans:- मनुष्य के जीवन को महत्वपूर्ण तत्व Language है जो इसे दूसरे जीवो से अलग करता है मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है समाज मे रहने की अनिवार्यता के कारण ही उसमे भाषा विकास का होना जरूरी है व्यक्ति एक दूसरे के विचारो और दूसरे लोगो के बीच Information का आदान प्रदान Language के माध्यम से करता है Dumviln ने अपनी पुस्तक fundamentals of Psychology मे इसे Defin करते हुए कहा है कि किसी जाति के language का विकास उसके Intelactual Development के इतिहास पर ही आधारित होता है जीवन के शुरुआत मे बच्चा वस्तुओ का प्रयोग करता है और फिर language का use करने लगता है किसी भी व्यक्ति की भौतिक योग्यता का माप language expression है।

इस Defination के आधार पर यह कहा जा सकता है कि language दूसरे व्यक्ति के विचार, भावना एवं व्यवहार को स्पष्ट समझने का माध्यम है। Language के द्वारा बच्चो का socialization होता है अर्थात दो व्यक्तियो के बीच Interaction होता है Language Development ही व्यक्ति के व्यवहार को सार्थकता प्रदान करता है और बच्चे अपने Personality.

Scanned by TapScanner

अच्छा तरह समझने लगते है

Process of language Development :- व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाने मे language महत्वपूर्ण रूप से सहायक है अन्य Development concept के साथ साथ language Development व्यक्ति के heredity Personality का विकास होता है बच्चा की क्षमता जन्मजात नहीं होकर अर्जित होता है जन्म के समय उपस्थित होंठ, जीभ दांत एवं तालू आदि के co-ordination का परिणाम होता है जिससे की बालक बोलने लगता है इसके अलावा जो भाषा विकास मे सहायक होता है वह Process निम्नलिखित है।

① Immitation :- इसकी क्षमता बच्चो मे जितनी ज्यादा होती है language Development उतना ही fast होता है बच्चा को सबसे पहले अपने माता - पिता का अनुकरण करने का मौका मिलता है इस Process मे सबसे पहले vowel का अनुकरण बच्चा करता है बाद मे consonant का उच्चारण करने लगता है 6 महिना का बच्चा कुछ शब्द जैसे मां - मां, बा - बा, दा - दा आदि का नकल करता है। 10 - 11 माह की अवस्था मे दादा, मामा, नाना आदि शब्दो को Immitation के द्वारा सीख लेता है।

Scanned by TapScanner

(2) Trail and error :- यह भाषा सीखने का दूसरा महत्वपूर्ण Process है। Daniell का मानना है कि शुरु में यह बताया जाता है कि बच्चे शब्दों का अनुकरण सिर्फ सुनकर करता है। किन्तु यह अवधारणा गलत है बल्कि बच्चे अनुकरण से नहीं बल्कि Trail and error से भाषा सीखते है भाषा सीखने से पहले मुँह से विभिन्न प्रकार की आवाजों का उच्चारण करता है जो कि निरर्थक होता है और जिनका कोई भाव नहीं होता है शुरु में बच्चे पा, मॉ, बा आदि का उच्चारण करता है। जब मॉ बाप बच्चो को बोलने के लिए प्रोत्साहित करते है तब बच्चा मामा नाना बाबा आदि शब्दो को सीख लेता है।

(3) Conditioning :- सीखने के क्षेत्र में इस Process की शुरुआत Pavlov द्वारा किया गया बच्चे का language Development S-R Association के आधार पर निर्भर करता है बच्चा को जब Apple देकर Apple शब्द का उच्चारण किया जाता है तो बच्चा उस Apple को और उच्चारित शब्द के बीच के अर्थ को समझते हुए। एक बार वस्तु और शब्द के बीच association स्थापित होने पर अगर बच्चा को कोई वस्तु पकड़ा दी जाती तो पहले से बने Association

का विलोपन हो जाता है।

(v) Motivation :- Motivation एक Internal force है जो प्राणी के लक्ष्य के प्रति क्रियाशील बनाये रखती है language सीखने में Motivation का महत्वपूर्ण स्थान होता है Hurlock (1972) के अनुसार शिशुओं की भाषा में माता-पिता द्वारा की गयी प्रशंसा का महत्वपूर्ण योगदान होता है अपनी बात को व्यक्त करना, अभिव्यक्ति की इच्छा जिनसे वस्तु की प्रवृति, खेल संपर्क आदि भाषा विकास में महत्वपूर्ण रूप से सहायक होता है। शुरू में बच्चो में अनेक आवश्यकताओ की उत्पत्ति होती है जिसके कारण बच्चो में तनाव उत्पन्न होता है तनावपूर्ण स्थिति में बच्चा ऐसा व्यवहार करना चाहता जिससे कि उसके आवश्यकताओ की पूर्ति हो संक्षेप में बच्चो को बोलने के लिए Motivate करने वाले आवश्यकताए निम्नलिखित है।

a) माता-पिता को समझ अपनी आवश्यकताओ की अभिव्यक्ति।

b) दूसरो के सामने अपने विचारो को जाहिर करने की इच्छा।

c) मात-पिता से प्रशंसा एवं प्रोत्साहन प्राप्त करने से संबंधित कार्य करता।

Scanned by TapScanner

(d) समूह शीलता व संपर्क की भावना।

(e) आत्म अभिव्यक्ति एवं आत्म प्रदर्शन की भावना।

(5) Maturation :-> इसका अर्थ भाषा विकास एवं भाषा हासिल ~~होना~~ करने से संबंधित अंगों को mature होना Maturity एक आंतरिक एवं जैविक प्रक्रिया है जो heredity द्वारा control होता है अतः सफल भाषा विकास के लिए तालु, दांत, जुबान आदि का Maturity language Development के लिए जरूरी है इनके maturity के कारण बच्चे बोलने और भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित रहते हैं।

— x — x —

Scanned by TapScanner